शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर

दिनांक 27/12/2022 को **आजादी का अमृत महोत्सव** कार्यक्रम के अंतर्गत आफरी, जोधपुर में "**आदिवासियों के लिए वनोपज के सम्बन्ध में आफरी द्वारा किये गये कार्य**" के विषय पर **डॉ बिलास सिंह, मुख्य** तकनीकी **अधिकारी**, विस्तार प्रभाग द्वारा व्याख्यान दिया गया जिसमे डॉ. सिंह ने राजस्थान एवं गुजरात में आदिवासी जनसंख्या वितरण को बताते हुए उनके लिए उपयोगी विविध योजनाओ के बारे में जानकारी प्रदान की एवं आफरी द्वारा की गयी शोध परियोजनाओ के द्वारा उपरोक्त VFMC/SHG समूहों की क्षमता निर्माण एवं मूल्यवर्धन के विकास के बारे में जानकारी दी । डॉ. सिंह ने विभिन्न वन प्रजातियों के मूल्यवर्धन पर किए गए कार्य जैसे अचार,जैम,चटनी, गुलाल निर्माण के बारे मे जानकारी प्रदान की । इसके साथ ही आदिवासियों द्वारा बाँस से विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प एवं वन उत्पादों से साबुन निर्माण की जानकारी दी । इस क्रम में **डॉ.तरुण कान्त**, समूह समन्वयक शोध ने **देसी परम्परागत ज्ञान**(ITK) के प्रलेखन/दस्तावेजीकरण की महत्ता एवं आवश्यकता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री एम. आर. बालोच, भा. व. से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक आफरी, द्वारा की गयी। इस अवसर पर आफरी के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें । कार्यक्रम का संचालन श्री दीपक कुमार, वैज्ञानिक-बी ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में विस्तार विभाग के श्री अनिल सिंह, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री धानाराम,वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी,श्री ओमप्रकाश, तकनीकी सहायक एवं श्री कैलाश शर्मा, कार्यालय परिचारक का सहयोग रहा।

कार्यक्रम की झलकियाँ